www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 220 | जौनपुर मंगलवार, 31 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

ईरान संग तनाव चरम पर, अमेरिका ने भेजे 3,500 मरीन

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। ईरान के साथ जारी तनाव और युद्ध जैसे हालात के बीच अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के मुताबिक, करीब 3,500 मरीन और नाविकों का एक दल मध्य पूर्व पहुंच चुका है।सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संक्षिप्त पोस्ट में कहा, यूएसएस ट्रिपोली पर सवार नाविक और मरीन 27 मार्च को यूएस सेंट्रल कमांड के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में पहुंच गए।सेंटकॉम ने बताया कि यह जहाज अमेरिका की 'अमेरिका–क्लास' का एक बड़ा हमला करने वाला युद्धपोत है, जो ट्रिपोली एम्फीबियस रेडी ग्रुप और 31वीं मरीन एक्सपीडिशनरी यूनिट का मुख्य जहाज है। इस पूरे दल में करीब 3,500 सैनिक शामिल हैं। इनके पास लड़ाकू विमान, हमले करने वाले हेलीकॉप्टर और समुद्र व जमीन दोनों जगह ऑपरेशन करने की क्षमता है।यह तैनाती अमेरिका की उस बड़ी सैन्य तैयारी का हिस्सा है, जो ईरान के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए की जा रही है। इस तरह की फोर्स को जल्दी कार्रवाई के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जैसे अहम जगहों पर कब्जा करना, लोगों को सुरक्षित निकालना या समुद्र किनारे हमले करना। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने गुरुवार को पहले रिपोर्ट दी थी कि पेंटागन मध्य पूर्व में 10,000 तक अतिरिक्त जमीन सैनिकों को तैनात करने पर विचार कर रहा है, ताकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास कूटनीति के अलावा सैन्य विकल्प भी रहें।

कानून व्यवस्था हिमाचल सरकार की प्राथमिकता में नहीं – जयराम ठाकुर

शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने मंदिरों में ट्रांसजेंडर का भेष बदलकर पैसे इकट्ठा करने वाले बांग्लादेशी विद्यार्थी को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने इसे इंटेलिजेंस की नाकामी बताया और जांच की मांग की। जयराम ठाकुर ने कहा कि जो देश का रहने वाला नहीं है और हिंदू धर्म से भी नहीं है, ट्रांसजेंडर का भेष बदलकर लोगों के धार्मिक भावना को भड़का रहा है। लोग किन्नर समझकर श्रद्धा से उसको पैसा दे रहे हैं। हमारे सनातन धर्म में किन्नरों के लिए सम्मान और श्रद्धा है, इस वजह से उसको पैसे दे रहे हैं लेकिन यह जांच का विषय है।उन्होंने पुलिस पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस का कहना है कि उसने कुछ गलत नहीं किया है। उसने गलत कैसे नहीं किया? वो स्टूडेंट वीजा पर है। हिंदू नहीं है, मुस्लिम है और देश का नहीं है, बांग्लादेश का नागरिक है। इसके बाद भी वह किन्नर बनकर लोगों से पैसा इकठ्ठा कर रहा है तो यह जांच का विषय कैसे नहीं है? यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि खासतौर पर संवेदनशील जगह, जहां मंदिर हैं, जहां भीड़ होती है, लोग श्रद्धा के साथ आते हैं, उस जगह पर इसका जाना चिंता का विषय है।

अफवाहों से बचें और केवल तथ्यों पर भरोसा करें -पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से भारत के सामने आई चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जागरुक रहने और अफवाहों से बचने की अपील की है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हम सब मिलकर कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने कार्यक्रम के 132 वें एपिसोड में देशवासियों से अपील करते हुए कहा, "वो जागरूक रहें, अफवाहों के बहकावे में ना आएं। सरकार की तरफ से जो आपको निरंतर जानकारी दी जा रही है, उस पर भरोसा करें और उसी पर विश्वास करके कोई कदम उठाएं।" उन्होंने कहा, "मुझे हर बार की तरह इस बार भी विश्वास है कि जैसे हमने देश के 140 करोड़ देशवासियों के

सामर्थ्य से पुराने संकटों को हराया था, इस बार भी हम सब मिलकर के इस कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे।" प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मार्च का महीना वैश्विक स्तर पर बहुत ही हलचल भरा रहा है। हम सबको याद है कि पूरा विश्व भूतकाल में कोविड के कारण एक लंबे समय तक अनेक समस्याओं से गुजरा था। हम सभी की अपेक्षा थी कि कोरोना के संकट से निकलने के बाद दुनिया नए सिरे से प्रगति की राह पर आगे बढ़ेगी, लेकिन, दुनिया के अलग–अलग क्षेत्रों में लगातार युद्ध और संघर्ष की परिस्थितियां बनती चली गईं। पीएम मोदी ने युद्धग्रस्त क्षेत्र में भारतीयों की मदद के लिए खाड़ी देशों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारे पड़ोस में एक माह से भीषण युद्ध चल रहा है। हमारे लाखों परिवारों के सगे–संबंधी इन देशों में रहते हैं, खासतौर पर खाड़ी देशों में काम करते हैं। मैं खाड़ी देशों का बहुत आभारी हूं, वे ऐसे एक करोड़ से ज्यादा भारतीयों को वहां पर हर प्रकार की मदद दे रहे हैं।

पश्चिम एशिया संकट पर केंद्र की नजर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुलाई आईजीओएम की बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को पश्चिम एशिया में उभरती स्थिति पर नजर रखने और घटनाक्रमों के जवाब में सक्रिय उपायों की सिफारिश करने के लिए गठित अनौपचारिक मंत्रिस्तरीय समूह (आईजीओएम) की पहली बैठक की अध्यक्षता की। नई दिल्ली के कर्तव्य भवन–2 में आयोजित इस बैठक में वित्त एवं निगम मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण, संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, विद्युत मंत्री मनोहर लाल, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी, नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह उपस्थित थे। अंतर्राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (आईजीओएम) ने भारत में बदलती स्थिति और विभिन्न क्षेत्रों पर इसके प्रभाव का समग्र आकलन किया। रक्षा मंत्री ने सक्रिय, समन्वित, और दूरदर्शी

दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया और बदलते परिदृश्य को देखते हुए सतर्क रहने के महत्व को रेखांकित किया। बैठक के दौरान, सचिवों के सात अधिकार प्राप्त समूहों (ईजीओएस) ने प्रस्तुतियां दीं, जिनमें प्रमुख क्षेत्रीय मुद्दों और स्थिति से निपटने के लिए पहले से लागू नीतिगत उपायों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। राजनाथ सिंह ने ईजीओएस को स्थिति की गहन निगरानी जारी रखने, मध्यम से दीर्घकालिक तैयारी का दृष्टिकोण अपनाने, उच्च–स्तरीय समन्वय बनाए।

भारी भरकम वादों के साथ चुनावी मैदान में उतरे विजय

तमिलनाडु , (एजेंसी)। तमिलगा वेट्री कझगम के प्रमुख विजय ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए बड़ा ऐलान किया है। विजय 23 अप्रैल को होने वाले चुनावों में दो निर्वाचन क्षेत्रों, चेन्नई के पेराम्बुर और तिरुचिरापल्ली पूर्व से अपनी किस्मत आजमाएंगे। रविवार को उन्होंने अपनी पार्टी के सभी 234 उम्मीदवारों की विस्तृत सूची भी जारी कर दी है। विजय ने अपनी श्कोर टीमश के अनुभवी और विश्वसनीय नेताओं को मैदान

में उतारा है। प्रमुख उम्मीदवारों में टी. नगर से एन. आनंद, मायलापुर से वेंकट रमन और विलिवक्कम से आधव अर्जुन के नाम शामिल हैं। उम्मीदवारों का परिचय कराते हुए विजय ने भावुक अपील की और कहा कि उन्होंने अपनी टीम में ऐसे लोगों को चुना है जो सीधे जनता के सवालों का जवाब देंगे। विजय ने इस चुनाव को सीधे तौर पर अपने गठबंधन और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली सत्ताधारी पार्टी डीएमके के बीच की लड़ाई बताया। उन्होंने मौजूदा सत्ताधारी गठबंधन की आलोचना करते हुए उसे केवल जोड़–तोड़ की राजनीति करार दिया। विजय का दावा है कि उनके उम्मीदवार साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और वे आम आदमी के संघर्षों को बेहतर समझते हैं। विजय ने मतदाताओं से सीटी चुनाव चिह्न पर वोट देने का आग्रह करते हुए वादा किया कि उनकी सरकार कभी जनता के पैसे का दुरुपयोग नहीं करेगी। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा, नशामुक्त राज्य और सख्त कानून–व्यवस्था लागू करने की बात कही। उन्होंने जनता से एक मौका मांगते हुए।

असम में तीसरी बार बनने जा रही भाजपा सरकार : अमित शाह

ढेकियाजुली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम में घुसपैठ के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि भाजपा सरकार ने पिछले दस वर्षों में असम में घुसपैठ को रोका है, लेकिन यह काफी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रत्येक अवैध अप्रवासी को उनके देश वापस भेजा जाना चाहिए। सोनितपुर जिले की ढेकियाजुली विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कई राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि यह विरोध घुसपैठियों को बचाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी एसआईआर का विरोध करके घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं। अमित शाह ने यह भी कहा कि असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं और उनसे इस मुद्दे पर

अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में देश की सुरक्षा को गंभीरता से नहीं लिया और पाकिस्तान से आए आतंकवादियों को देश में लोगों की हत्या के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवादियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। शाह ने लोगों से आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को वोट देने की अपील की ताकि हिमंत बिस्वा सरमा एक बार फिर मुख्यमंत्री बनें और असम को घुसपैठिया–मुक्त बनाया जा सके, जिससे राज्य में शांति और विकास सुनिश्चित हो। उन्होंने दोहराया कि भाजपा सरकार ने असम में घुसपैठ रोकी है, लेकिन यह तब तक पूरा नहीं होगा जब तक हर अवैध अप्रवासी को वापस नहीं भेजा जाता। केंद्रीय गृह मंत्री नेरैली को संबोधित करते हुए कहा, षैं आप सभी से तहे दिल से माफी मांगता हूं क्योंकि खराब मौसम के कारण मेरा हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका और मुझे लगभग दो घंटे की देरी हो गई। रास्ते में मैं अशोक जी से बार–बार पूछता रहा कि क्या सभा अभी भी वैसी ही है। मुझे बताया गया कि एक भी कुर्सी खाली नहीं थी और लोग सड़कों के किनारे तक बैठे हुए थे। आज की सभा इस बात का सबूत है कि भाजपा असम में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है।

कांग्रेस को एक राजा और राजकुमार चला रहे - शिवराज सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि असम में पिछले कुछ वर्षों में स्पष्ट परिवर्तन आया है, जिसमें सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और उभरती औद्योगिक क्षमता में सुधार शामिल हैं, साथ ही सेमीकंडक्टर हब के रूप में इसकी संभावनाएं भी। राज्य के अपने दौरे के दौरान बोलते हुए, चौहान ने याद दिलाया कि पिछली संसदीय समिति के दौरे के दौरान, असम के कई क्षेत्रों में सुरक्षा चिंताओं के कारण पहुंचना मुश्किल था। उन्होंने कहा कि डर का माहौल जिसने कभी आवागमन को प्रतिबंधित किया था, अब काफी हद तक कम हो गया है, जो राज्य की समग्र स्थिति में व्यापक बदलाव को दर्शाता है। भाजपा प्रत्याशी भाबेश कलिता के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए शिवराज ने कहा कि 'अरुणोदय योजना' और 'लाड़ली बहना योजना' वोट के लिए नहीं है, बल्कि आधी आबादी को पूरा न्याय देने के लिए है। हम बहनों को आर्थिक सहयोग दे रहे हैं, तो कांग्रेस को तकलीफ क्यों हो रही है? उन्होंने कभी ऐसा क्यों नहीं किया? उन्होंने कहा कि हमारा यह संकल्प है कि पूरे असम में कोई भी गरीब कच्चे घर में नहीं रहेगा, सबको प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के अंतर्गत पक्के मकान दिए जाएंगे। शिवराज ने कहा कि असम के चाय बागान के मजदूर भाइयों–बहनों के पास अब तक जमीन के पट्टे नहीं थे। कांग्रेस ने उन्हें कभी जमीन का मालिक नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने उन्हें जमीन का मालिक बनाकर पट्टे दिए हैं।

भाजपा आई तो मछली और अंडे खाने पर लगेगी रोक, बंगाल में रैली के दौरान ममता का दावा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ी हुई है। इसी क्रम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया है कि अगर राज्य में भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आती है, तो लोगों को मछली और मांसाहार खाने से रोका जाएगा। बता दें कि बंगाल बड़ी मात्रा में लोग मछली और मांसाहार खाते हैं। सीएम ममता ने भाजपा पर आरोप लगाया कि केंद्र में बैठी पार्टी दंगा भड़काकर सत्ता हासिल करती है। चुनावी जनसभा में कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए ममता बनर्जी ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में लोगों को मांस, मछली और अंडे खाने से रोका जाता है। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी जिन राज्यों में शासन करती है, उनमें मछली नहीं खाई जाती है। ऐसे में अगर बंगाल में भाजपा की सरकार आती है, तो आप मांस या अंडे नहीं खा पाएंगे। भाजपा एकतरफा है, वह किसी भी धर्म में विश्वास नहीं करती है। इन राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के ऊपर भी हमले होते हैं। भाजपा पर दंगे भड़काकर सत्ता हासिल करने का आरोप लगाते हुए ममता ने जमकर खरी–खोटी सुनाई। उन्होंने कहा, यह लोग (भाजपा) दंगा भड़काते हैं। दंगे भड़काकर सत्ता में आते हैं, मतलब लोगों को मारकर सत्ता में आते हैं। भाजपा जिन राज्यों में शासन करती है, उन राज्यों में आदिवासियों और महिलाओं पर सबसे ज्यादा अत्याचार होता है। हमारे बंगाली भाषी लोगों पर अन्य राज्यों में हमले होते हैं। लेकिन हम ऐसा नहीं करते। हमारे राज्य में किसी पर भी अत्याचार नहीं होता है। देश में कहीं पर भी किसी को

चौक – फतेहगंज मार्ग पर अतिक्रमण कारियों के दुकानों व प्रतिष्ठानों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।शहर वासियों को जाम से निजात दिलाने के लिए एक बार फिर ट्रैफिक पुलिस के साथ–साथ नगर निगम ने अतिक्रमण कारियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया।मंगलवार को एसपी ट्रैफिक एपी सिंह और एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी,सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी के नेतृत्व में अतिक्रमण कारियों के खिलाफ यह अभियान शहर के चौक क्षेत्र से फतेहगंज चौराहे तक चला।बताते चले कि इस मार्ग पर आए दिन घंटो जाम लगा रहता है। जिसका मुख्य कारण दुकानदारों ठेलो, खोमचों द्वारा आधे मार्ग तक अतिक्रमण किया होना रहता है।जिसके चलते चौक से फतेहगंज मार्ग पर आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती थी।लोगों को जाम से निजात दिलाने के लिए आखिरकार मंगलवार को अतिक्रमण किए हुए अतिक्रमण कारियों पर प्रशासन का बुलडोजर चला।इस बीच कुछ अतिक्रमण किए हुए दुकानदार विरोध करते कि इसके पहले वहां पर मौजूद एसपी ट्रैफिक एपी सिंह तथा एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी व अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ–साथ नगर निगम कर्मियों के आगे कोई दाल नहीं गली।इस मौके पर कुछ अतिक्रमणकारियों आनन फानन में खुद ही अतिक्रमण किए हुए सामानों और दुकानों को पीछे करने में लग गए और वही कुछ अतिक्रमणकारी जो कि आगे तक दुकान लगाये हुए थे उनके दुकानों पर बुलडोजर चला।इस मौके पर अतिक्रमण करने वाले लोगों पर सिर्फ कार्यवाही ही नहीं हुई जितना भी सामान अतिक्रमण के दायरे में आया उसको भी पुलिस कर्मियों ने जब्त भी कर लिया।वही दुकानों के सामने खड़े दो पहिया और चार पहिया वाहनों का भी चालान किया गया।इस मौके पर एसपी ट्रैफिक ए पी सिंह और एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि आगे भी यह अभियान शहर के विभिन्न मार्गो तथा चौराहों पर चलाया जाएगा।उन्होंने शहर के विभिन्न मार्गो पर स्थित दुकानदारों से अपील किया कि वह मार्ग पर अतिक्रमण न करें अन्यथा आने वाले दिनों में उनके विरुद्ध भी कठोर कार्यवाही की जाएगी।इस मौके पर नगर कोतवाल अश्वनी पाण्डेय, नगर निगम का प्रवर्तन दल अपने टीम के साथ मौजूद रहे।

शशि गैस सर्विस व सोहावल इंडियन गैस सर्विस एजेंसी के उपभोक्ता सिलेंडर के लिए हो रहे काफी परेशान

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।इस समय सबसे बड़ी समस्या सिलेंडर उपभोक्ताओं को सिलेंडर पाने के लिए हो रही है। लेकिन सबसे अधिक समस्या इंडियन गैस सर्विस के शशि इंडियन गैस सर्विस के साथ–साथ सोहावल इंडियन गैस सर्विस एजेंसी के गैस उपभोक्ताओं को हो रही है।लोगों की माने तो इन दोनों सिलेंडर एजेंसी के प्रबंधक कर्मचारी की मिली भगत से हाकर 2500 हजार से 3000 हजार रुपये तक ब्लैक करते हुए भेजते हुए भी दिख रहे हैं यहां तक कि कुछ हाकर रेस्टोरेंट, ठेलों, केंटीन सहित अन्य प्रमुख होटलों पर खुद फोन कर पूछते हैं कि आपको सिलेंडर ऊंचे दामों पर चाहिए। कुछ प्रतिष्ठान के स्वामी तो ब्लैक में ऊंचे दामों पर सिलेंडर ले ले रहे है।लेकिन कुछ आर्थिक तंगी के चलते नहीं ले पाते हैं।इस समय सबसे ज्यादा दिक्कत कौन गैस उपभोक्ताओं को हो रहा है जो सिलेंडर तो 1 महीने पहले बुक कर दिए हैं लेकिन इन दोनों गैस एजेंसियों के चक्कर लगाने के बावजूद

भी सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। देखा जाए तो इस समय सबसे अधिक गड़बड़ी देवकाली स्थित शशि गैस एजेंसी सर्विस के साथ–साथ सोहावल मैं इंडियन गैस सर्विस पर हो रही है।जिसके चलते इस एजेंसी पर गैस उपभोक्ताओं के लिए सर दर्द बना हुआ है और प्रशासन कुछ नहीं कर पा रहा है केवल मूक दर्शक की भूमिका में है।गैस उपभोक्ताओं को इस समय सबसे अधिक परेशानी रसोई गैस सिलेंडर न मिलने से है।यह समस्या इतनी बड़ी नहीं है जितना पैदा कर दी गई है।इस मारामारी की स्थिति के पीछे व्यवस्था की नाकामी तो है ही,गैस एजेंसियों की मनमानी भी चरम पर है। और सबसे ज्यादा अव्यवस्था पैदा की है शहर की सबसे बड़ी एजेंसी ष्शशि गैस एजेंसीष और सोहावल की इंडेन गैस एजेंसी ने जिसके पास सर्वाधिक उपभोक्ता हैं।जिला प्रशासन का दावा है कि कहीं कोई कमी गैस आपूर्ति में नहीं है।तो फिर यह मारामारी के हालात क्यों है।सवाल यह है कि जब गैस के ऑनलाइन बुक करने और डिलीवरी की एक व्यवस्था और समय सीमा निर्धारित कर दी गई है तो फिर लोगों को गैस क्यों नहीं मिल रही है।देखने में आ रहा है कि तमाम उपभोक्ता जिन्होंने गैस बुक की निर्धारित समय पर उनके फोन पर गैस डिलीवर होने का मैसेज आ जा रहा है, सब्सिडी का पैसा भी खाते में आ जा रहा है, लेकिन गैस आपूर्ति नहीं हो रही है।एक बात तो तय है कि घोटाले गैस एजेंसी से किये जा रहे हैं,जिस पर प्रशासन का कोई अंकुश नहीं है।वही उपभोक्ताओं का आरोप है सबसे बड़ी दिक्कत पैदा हुई है होम डिलीवरी बंद कर देने से।छानबीन करने पर पता चला कि जगह–जगह जो बड़े लोगों के भंडारे हो रहे हैं इनके कारण भी गैस के सिलेंडर इधर–उधर हो रहे हैं।इसी तरह से जो तमाम पहुंच वालों के होटल हैं उनके यहां अनधिकृत तौर पर सिलेंडर आपूर्ति की जा रही है।

संपादकीय

युद्ध से नियंत्रण खो चुके ट्रंप

ट्रंप की टिप्पणियां संकेत हैं कि ईरान के खिलाफ छेड़े गए युद्ध से निकलने का रास्ता उसे नहीं मिल रहा है। ट्रंप युद्ध पर से अपना नियंत्रण खो चुके हैं, जिसकी बेचौनी उनके बयानों से जाहिर हुई है। ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका के उलझते जाने की स्थिति से व्यग्र डॉनल्ड ट्रंप अपनी नाकामी का ठीकरा नाटो में अपने सहयोगी देशों और चीन फोड़ते नजर आ रहे हैं। उलझाव का आलम यह है कि ईरान में थल सेना उतारने पर उनका प्रशासन गंभीरता से विचार कर रहा है, जिसकी शुरुआत ईरानी द्वीप खर्ग से हो सकती है। अफगानिस्तान और इराक के अनुभवों के मद्देनजर अमेरिका के युद्ध रणनीतिकार इसे अपने देश के लिए खतरनाक फैसला मानते हैं। बहरहाल, वहां थल सेना भेजने के बावजूद होरमुज जलडमरूमध्य को खुलवाने का सवाल बना रहेगा। नौसैनिक हस्तक्षेप के जरिए ऐसा करने में अमेरिका अकेले खुद को अक्षम पा रहा है। इसलिए ट्रंप ने चीन सहित कई देशों से मदद करने की गुजारिश की। चीन ने तो इसे सीधे ठुकरा दिया, जबकि अमेरिका के सहयोगी माने जाने वाले किसी देश से भी तुरंत सकारात्मक उत्तर नहीं मिला। तो अब ट्रंप ने यूरोपीय देशों की अनिच्छा के मद्देनजर नाटो के ष्बहुत बुरे भविष्यष की धमकी दी है। उधर चीन को चेताया है कि वे 31 मार्च से तय अपनी बीजिंग यात्रा स्थगित कर सकते हैं। इस बीच खबर है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ईरान के राष्ट्रपति महमूद पेजिस्कियान से बात कर फ्रेंच जहाजों के लिए होरमुज का रास्ता खोलने का आग्रह किया। उन्होंने जोर किया कि फ्रांस इस युद्ध का हिस्सा नहीं है। यह संकेत है कि यूरोपीय देश अमेरिका– इजराइल के बिना तय सैन्य उद्देश्य वाले युद्ध में भागीदारी से बच रहे हैं। दूसरी तरफ ईरानी हमलों में हो रहे नुकसान के कारण अमेरिका के अंदर युद्ध लगातार अधिक अलोकप्रिय होता जा रहा है। चूंकि नुकसान की खबरें अमेरिका के बड़े अखबारों ने छापी हैं, तो उससे भड़के ट्रंप ने उन अखबारों पर राष्ट्र–द्रोह का इल्जाम मढ़ दिया है। मगर उनकी ऐसी प्रतिक्रियाओं को इसी बात संकेत समझा गया है कि ट्रंप प्रशासन ने बिना रणनीति बनाए देश को ऐसे युद्ध में झोंक दिया, जिससे निकलने का रास्ता उसे नहीं मिल रहा है। यानी ट्रंप युद्ध पर से अपना नियंत्रण खो चुके हैं। इसकी बेचौनी उनके बयानों से जाहिर हो रही है।

सोनम वांगचुक की रिहाई के मायने

क्या राष्ट्रीय सुरक्षा की परिभाषा भी अब भाजपा की सुविधा के अनुसार तय होगी, यह गंभीर सवाल पर्यावरण कार्यकर्ता और मैगसेसे पुरस्कार विजेता सोनम वांगचुक की रिहाई के फैसले के बाद उठा है। 26 सितंबर 2025 को सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। पहले तो यह सरकार यह बताने ही तैयार नहीं थी कि वे किस जेल में रखे गए हैं। फिर बताया गया कि वे जोधपुर जेल में हैं। सरकार ने उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) लगाया था। लेकिन शनिवार को अचानक मोदी सरकार को यह ज्ञान प्राप्त हुआ कि अब वांगचुक देश की सुरक्षा के लिए खतरा नहीं हैं और उनकी रिहाई का आदेश दिया गया।पहले तो यह बात समझ से परे थी कि अपने राज्य के हक की बात करने में देश की सुरक्षा को कैसे खतरा हो सकता है। बता दें कि 2019 में जम्मू–कश्मीर से लद्दाख को अलग करने और उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाने का फैसला मोदी सरकार ने लिया था। तब वहां की जनता को भरोसा दिलाया गया था कि अब उन्हें अच्छे से हक मिलेंगे और उनके राज्य की तरक्की होगी। लेकिन लद्दाखी जनता से किए वादे केंद्र सरकार ने पूरे नहीं किए और न ही उनकी मांगों का अब तक कोई समाधान निकाला गया।लद्दाख के लोगों की कुछ प्रमुख मांगें हैं, जैसे–लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा मिले। संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए, ताकि आदिवासी क्षेत्रों की सुरक्षा मिले। लेह और करगिल दोनों के लिए अलग–अलग परिषद हों और सरकारी नौकरियों की खाली जगहें भरी जाएं। इन्हीं मांगों को लेकर सोनम वांगचुक बीते साल से अलग–अलग मौकों पर आमरण अनशन और दिल्ली तक मार्च कर चुके हैं। अक्तूबर 2024 में उन्होंने लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और इसे छठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए लद्दाख से दिल्ली तक पैदल मार्च निकाला था। हालांकि दिल्ली पुलिस ने सिंधु बॉर्डर से उन्हें हिरासत में ले लिया था। साल 2025 में इसी मांग को लेकर 35 दिन की उनकी भूख हड़ताल के 15वें दिन 24 सितंबर को लेह में आंदोलन हिंसक हो गया जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी और तकरीबन 50 लोग घायल हुए थे। इसके लिए सोनम वांगचुक को जिम्मेदार ठहराते हुए और उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए हिरासत में लिया गया।उनकी हिरासत पर सवाल उठाते हुए उनकी पत्नी गीतांजलि जे एंग्मो ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन इस पर सरकार बार–बार टालमटोल कर रही थी। आखिरकार न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने कह दिया था कि वे 17 मार्च को इस पर अंतिम सुनवाई करेंगे। पीठ ने यह भी कहा था कि सोनम वांगचुक के भाषणों के वीडियो इस बृहस्पतिवार को देखेंगे और उन्होंने रजिस्ट्रार से स्क्रीनिंग की व्यवस्था करने को कहा था। हालांकि केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख प्रशासन की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने कहा था कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता अस्वस्थ हैं और उन्होंने मामले में सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया है। लेकिन वांगचुक की पत्नी एंग्मो की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि मामले में बार–बार स्थगन से देश में श्गलत संदेशश जा रहा है। इसके बाद न्यायमूर्ति अरविंद कुमार ने कहा, श्हम यह बिल्कुल स्पष्ट कर रहे हैं कि चाहे कुछ भी हो, हम अंतिम सुनवाई के बाद अगले मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रखेंगे। हम किसी भी नये बिंदु पर बहस की अनुमति नहीं देंगे और सॉलिसिटर जनरल, केवल कपिल सिब्बल द्वारा अपने जवाबी तर्क में उठाए गए नये बिंदुओं पर बहस कर सकते हैं।श्बता दें कि सोनम वांगचुक के भाषणों में ही केंद्र सरकार को देशविरोधी साजिश नजर आ रही थी। लेकिन इससे पहले कि अदालत इन्हें सुनकर कोई राय बनाती, सरकार ने पहले ही वांगचुक की रिहाई का आदेश दे दिया। कानूनी तौर पर यह उनकी पत्नी और समर्थकों के लिए बड़ी जीत है। लेकिन यहां चिंता की एक बड़ी बात यह है कि आखिर भाजपा अपनी सुविधानुसार कब तक लोगों के अधिकारों के साथ ऐसा खेल करेगी। मोदी सरकार को सोनम वांगचुक के भाषण पसंद नहीं आए तो उन्हें जेल में डाल दिया, फिर लगा होगा कि एक साथ विरोध के कई मोर्चे खुल गए हैं। एक तरफ ईरान जंग के कारण देश में ईंधन का संकट है, दूसरी तरफ एपस्टीन फाइल्स पर विपक्ष के सवाल हैं, इनके बीच पांच राज्यों के चुनाव भी हैं, तो वांगचुक की रिहाई कर अपने लिए थोड़ी आसानी शायद भाजपा ने बनाई है। इसी तरह पंजाब चुनाव के फायदे को ध्यान में रखकर अरविंद केजरीवाल पर लगे सारे आरोप भी खारिज हो गए। इसमें फैसला भले अदालत ने दिया, लेकिन आबकारी घोटाले में सबूत पेश करने का काम जांच एजेंसी का था, जो उसने नहीं दिए। अब शायद किसी दिन उमर खालिद की रिहाई भी संभव हो जाए, क्योंकि उन्हें भी पांच सालों से कैद रखा गया है और बार–बार जमानत टलवाई जा रही है। वैसे वांगचुक की रिहाई के लिए सरकार ने काफी सोच समझ कर कारण सामने रखा है, सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है, श्सरकार लद्दाख में विभिन्न हितधारकों और समाज के नेताओं के साथ सक्रिय रूप से संवाद कर रही है ताकि क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाओं और चिंताओं का समाधान किया जा सके। सरकार लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

2 लाख महिलाओं से रेप, 3,000,000 की हत्या, आज ही के दिन हुआ ऐसा नरसंहार

अभिनय

हेलो अब्दुल्ला मैं गंधर्व बोल रहा हूं। उधर से आवाज आती है गंधर्व तुम कहां हो। जवाब मिलता है मैं ढाका के बाहर खड़ा हूं और तुम्हारे सरेंडर का इंतजार कर रहा हूं।ष यह दो दोस्तों के बीच की बातचीत थी। दो कोर्समेट जिन्होंने एक साथ आर्मी जवाइन की एक ढाका में पाकिस्तानी आर्मी के हेड क्वार्टर में था और दूसरा ढाका के बाहर अपनी 3000 सैनिकों की टुकड़ी के साथ मीरपुर ब्रिज पर। यह एक विजय योद्धा और हारे हुए जनरल के बीच की बातचीत थी। ये भारतीय सेना के मेजर जनरल गंधर्व सिंह नागरा और पाकिस्तान आर्मी के लेफ्टिनेंट जनरल अमीर अब्दुल्ला खान नियाजी के बीच की बातचीत थी। थोड़ी देर बाद मेजर जनरल नागरा, जनरल नियाजी के ऑफिस में थे। भारतीय सैन्य अधिकारियों के सामने पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल नियाजी रो रहे थे पाकिस्तानी सेना ने घुटने टेक दिए भारतीय सेना के ईस्टर्न कमांड के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा और चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल जेएफ आर जैकब ढाका पहुंच चुके थे शाम 431 पर पाकिस्तानी आर्मी के लेफ्टनंट जनरल नियाजी ने आत्मसमर्पण के कागजों पर दस्तखत किए। भारतीय सेना की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा ने इसे रिसीव किया। ढाका के रेस कोर्स मैदान में इकट्ठी हजारों लोगों की भीड़ नारे लगा रही थी। मुक्ति वाहिनी जिंदाबाद, तोमार आमार ठिकाना, पद्मा मेघना जमुना। यह मुक्ति का घोष था। पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों से, बांगला भाषियों की मुक्ति का तारीख 16 दिसंबर 1971 थी। बांग्लादेश स्वतंत्र देश था ढाका इस स्वतंत्र देश की स्वतंत्र राजधानी 13 दिन तक चले युद्ध के बाद भारतीय सेना ढाका में थी पाकिस्तान दो टुकड़ों में बट चुका था पूर्वी पाकिस्तान का अस्तित्व खत्म हो चुका था लेकिन यह केवल 13 दिन की लड़ाई नहीं थी यह भाषाई भेदभाव और सैन्य अत्याचारों के खिलाफ करीब ढाई दशक का संघर्ष था। लेकिन बांग्लादेश के बनने से पहले नरसंहार की वो काली रात की कहानी का जिक्र बहुत कम होता है। जिसने पूरी मानवता को शर्मशार कर दिया था। बांग्लादेश में 25 मार्च 1971 को नरसंहार दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सर्चलाइट के नाम पर तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान ने निहत्थे लोगों का कत्लेआम किया था। 2017 को शेख हसीना की सरकार के कार्यकाल में बांग्लादेश की संसद ने सर्वसम्मति से इसे नरसंहार दिवस घोषित किया था। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 25 मार्च को मनाए जाने वाले श्नरसंहार दिवसश के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। यह दिवस 1971 में पाकिस्तानी कब्जा करने वाली सेनाओं द्वारा मूल बंगाली लोगों के खिलाफ किए गए अकल्पनीय अत्याचारों और हत्याओं की याद में मनाया जाता है। एक्स पर जारी एक आधिकारिक बयान में, रहमान ने 25 मार्च, 1971 को बांग्लादेश के इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक बताया। यह वह दिन था जब पाकिस्तानी कब्जा करने वाली सेनाओं ने ऑपरेशन सर्चलाइट शुरू किया था, जिसके तहत उन्होंने ढाका विश्वविद्यालय, पिलखाना, राजारबाग पुलिस लाइन्स और अन्य स्थानों पर रात के अंधेरे में निहत्थे नागरिकों, छात्रों, शिक्षकों और बुद्धिजीवियों का सुनियोजित नरसंहार किया था। रहमान ने लिखा कि हालाँकि, 25 मार्च की रात को चटोग्राम में स्थित 8वीं पूर्वी बंगाल रेजिमेंट ने 'हम विद्रोह करते हैं' का नारा लगाकर नरसंहार के विरुद्ध औपचारिक रूप से सशस्त्र प्रतिरोध की शुरुआत की। इस नरसंहार के प्रतिरोध से ही नौ महीने लंबा सशस्त्र मुक्ति युद्ध शुरू हुआ। पाकिस्तानी सेना द्वारा पूर्वी पाकिस्तान (जिसे उस समय बांग्लादेश कहा जाता था) के बंगाली लोगों के विरुद्ध किए गए क्रूर नरसंहार ने नौ महीने लंबे बांग्लादेश मुक्ति युद्ध को जन्म दिया, जो दिसंबर 1971 में स्वतंत्रता के साथ समाप्त हुआ। रहमान ने नागरिकों से लोकतांत्रिक और समृद्ध बांग्लादेश के निर्माण के दौरान नई पीढ़ी में समानता, मानवीय गरिमा और सामाजिक न्याय की भावना को स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने शहीदों की आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। बांग्लादेश आधिकारिक तौर पर 25 मार्च को नरसंहार दिवस के रूप में मनाता है, ताकि उन अत्याचारों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी जा सके, जिनमें अनुमानित तौर पर लाखों लोगों की जान गई, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे। रहमान ने पोस्ट किया, आइए हम सब मिलकर एक न्यायपूर्ण, विकसित, समृद्ध, आत्मनिर्भर और लोकतांत्रिक बांग्लादेश का निर्माण करें। इंडियन एक्सप्रेस में छपे एक आर्टिकल में प्रसिद्ध बांग्लादेशी कवि दाऊद हैदर लिखते हैं अप्रैल 1946 में ही मौलाना अबुल कलाम आजाद ने इसकी आशंका जाहिर कर दी थी। एक कश्मीरी पत्रकार को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि बंगाल बाहरी प्रभुत्व और सत्ता के आगे झुकने वाला नहीं है। देर सवेर बंगाली विरोध करेंगे। मेरा मानना है कि पूर्वी पाकिस्तान कभी भी पश्चिमी पाकिस्तान के वर्चस्व को बर्दाश्त नहीं कर सकता और यही हुआ भी ।बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान ने पश्चिमी पाकिस्तान के वर्चस्व को चुनौती देनी शुरू की मार्च 1966 में आवामी लीग ने रैलियां शुरू कर दी आंदोलन फैलने लगा मुजीबुर रहमान को गिरफ्तार कर लिया गया अयूब खान की सरकार ने आंदोलनकारियों पर अगरतला षड्यंत्र का आरोप लगाया। आरोप यह कि वे भारत के साथ मिलकर पूर्वी पाकिस्तान को तोड़ने की साजिश कर रहे हैं। हालांकि बांगला भाषी एकजुट होकर मुजीबुर रहमान की रिहाई के लिए अड़ गए। इसी बीच 1970 में आम चुनाव हुए यह पाकिस्तान का पहला चुनाव था। कुल 300 सीटों में से 160 सीटें आवामी लीग यानी शेख मुजीब रहमान के हिस्से आई। शेख मुजीब के पास पूर्ण बहुमत था। लेकिन सभी सीटें पूर्वी पाकिस्तान की थी। पश्चिमी पाकिस्तान के मिलिट्री जनरल्स और नेताओं को यह मंजूर नहीं था कि कोई बंगाली उन पर शासन करें। पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति याया खान ने आवामी लीग को सरकार बनाने का न्योता नहीं दिया। 7 मार्च 1971 को मुजीबुर रहमान ने किसी भी कीमत पर बांग्लादेश को आजाद कराने का आवाहन किया। उन्होंने कहा कहा कि यह लड़ाई हमारी आजादी के लिए है जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान में आंदोलन शुरू हो गया। मुजीबुर रहमान को फिर से जेल में बंद कर दिया गया। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना का अत्याचार शुरू हो गया। 25–26 मार्च की रात को पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी आर्मी ने भयानक नरसंहार किया महिलाओं बच्चों किसी को भी नहीं बख्शा गया। लोगों को घरों से गांव से बाहर निकालकर आर्मी ने खुलेआम गोलियां बरसाई। महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया। भारत की ओर भाग रहे शरणार्थियों को घेर कर फायरिंग की गई। बांग्लादेशी अथॉरिटीज के आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तानी आर्मी ने 30 लाख लोगों की हत्या और करीब 2 लाख महिलाओं के साथ बलात्कार किया। यह मानव इतिहास के जघन्य समम अपराधों में से एक है। तारिक रहमान का बयान पाकिस्तान की सेना के लिए एक बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के दौरान ढाका में पाकिस्तान ने तेजी से अपनी पकड़ मजबूत की थी। यूनुस के कार्यकाल में पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई को बांग्लादेश की राजधानी ढाका में अपेक्षाकृत अधिक पहुंच मिली थी। ऐसे में तारिक रहमान की हालिया टिप्पणी को विशेषज्ञ पाकिस्तान के लिए एक 'रेड फ्लैग' के रूप में देख रहे हैं।

बड़े बैंक, नैतिकता और मूल्यों पर बड़े सवाल

जगदीश

एचडीएफसी बैंक का महत्व उसकी उस यात्रा में निहित है जो यह दिखाती है कि अच्छी ग्रोथ और अच्छा गवर्नेंस कैसे साथ–साथ चल सकते हैं। यह कहानी बदली हुई परिस्थितियों में भी तब तक कायम रहेगी जब तक शीर्ष स्तर से मिलने वाले निर्देशों के साथ–साथ जमीनी स्तर पर भी त्वरित कार्रवाई होती रहेगी। निर्देशों का दायरा केवल बोर्ड रूम की दीवारों पर लिखे श्विजन स्टेटमेंटश के नीरस उल्लेखों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। किसी बड़े बैंक के चेयरमैन का अचानक इस्तीफा देना साधारण बात नहीं है, खासकर जब उस बैंक को श्इतना बड़ा कि फेल नहीं हो सकताश की श्रेणी में रखा गया हो। और भी ज्यादा असामान्य बात यह है कि इस्तीफे के साथ ऐसा पत्र भेजा जाए जो बैंक के मूल्यों और नैतिकता पर सवाल खड़े करता हो लेकिन लगभग पांच वर्षों तक एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन रहे अतानु चक्रवर्ती ने इस महीने की शुरुआत में ठीक यही किया जिससे बाजार, रेगुलेटर और बैंक मैनेजमेंट सभी हिल गए। उन्होंने लिखा– श्बैंक के भीतर पिछले दो सालों में मैंने जो कुछ घटनाएं और तौर–तरीके देखे हैं, वे मेरे निजी मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं।श एसेट्स और मार्केट कैप के मामले में एचडीएफसी भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट सेक्टर बैंक है। उदारीकरण के बाद के भारत में खुदरा बैंकिंग परिवर्तन का यह पोस्टर बॉय है। यह एक झटका पूरे बैंकिंग क्षेत्र को हिला सकता है और व्यापक वित्तीय स्थिरता के बारे में सवाल उठा सकता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने श्मजबूत वित्तीय व पेशेवर रूप से संचालित बोर्ड और सक्षम प्रबंधन टीमश का हवाला देते हुए बैंक को क्लीन चिट देने में जल्दबाजी की है। समय पर दिया गया यह आश्वासन बाजारों को शांत करता है। परिणामस्वरूप बैंक की सुशासन की प्रतिष्ठा और मूल्यांकन में विश्वास प्रीमियम को भी दर्शाता है। फिर भी, जैसा कि इस्तीफे के एक दिन बाद विश्लेषकों के कॉल में पूछे गए सवालों से स्पष्ट था, चिंताएं बनी हुई हैं। हालांकि पूरी जांच के अभाव में बैंक में संभावित मुद्दों के बारे में बात करना जल्दबाजी होगी लेकिन यह मामला एक बार फिर इस बात पर प्रकाश डालता है कि नैतिकता और सुशासन के मुद्दों पर दशकों से बनी प्रतिष्ठा कुछ ही समय में बुरी तरह क्षतिग्रस्त या टूट सकती है। इस क्षेत्र में एचडीएफसी की प्रमुख स्थिति उदारीकृत अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र की दक्षता के सकारात्मक पहलुओं को दर्शाती है लेकिन इसी प्रमुखता की वजह से बैंक पर और ज्यादा बारीकी से नजर रखने की जरूरत है और इस पर यह जिम्मेदारी भी आ जाती है कि वह पूरी पारदर्शिता के साथ इस बात पर चर्चा करे कि ऐसी चुनौतियां कैसे पैदा होती हैं तथा उनसे कैसे निपटा जा सकता है। इस लिहाज से यह एक निर्णायक मोड़ है जिसके बैंक पर तत्काल प्रभाव पड़ेंगे और मध्यम व दीर्घकालिक रूप से यह पूरे भारतीय कॉर्पोरेट जगत को अपने घेरे में ले लेगा।यह सच है कि एचडीएफसी की साख को पहले ही नुकसान पहुंच चुका है। इसी वजह से कुछ लोगों का कहना है कि चेयरमैन को अपनी चिंताएं साफ–साफ और विस्तार से बतानी चाहिए थीं, न कि सिर्फ अस्पष्ट इशारे करके चले जाना चाहिए था। इस बात में दम है, लेकिन निवर्तमान चेयरमैन के इस कदम का एक और भी बड़ा पहलू यह है कि उन्होंने बेझिझक होकर अपनी चिंताएं लिखित रूप में जाहिर कीं। इस तरह उन्होंने बैंक के कामकाज के कुछ पहलुओं पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर किया– खासकर ऐसे माहौल में, जहां इस तरह के मुद्दों पर आम तौर पर खुलकर चर्चा नहीं होती। इसके अलावा एचडीएफसी के मामले को एक व्यापक नजरिए से और प्रशासन–प्रणाली के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। ये प्रणालियां भले ही बेहतर हो रही हैं लेकिन अभी भी उनमें सुधार की काफी गुंजाइश है। यह बात बोर्ड स्तर पर विशेष रूप से लागू होती है जहां डायरेक्टर लोग उतने सवाल नहीं उठाते जितने उन्हें उठाने चाहिए, जहां मतभेद या असहमति को आम तौर पर स्वीकार नहीं किया जाता और जहां मुद्दों पर खुलकर चर्चा करने के बजाय उन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। यह बात ध्यान देने लायक है कि चेयरमैन के इस्तीफे के तुरंत बाद (उससे पहले नहीं) बैंक ने तीन वरिष्ठ कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। खबरों के मुताबिक इन कर्मचारियों को दुबई में बॉन्ड की श्गलत बिक्रीश में उनकी भूमिका के कारण हटाया गया था।मोटे तौर पर घोटालों की एक के बाद एक घटनाओं से भारतीय बैंकों की साख प्रभावित हुई है। इनमें सबसे ताजा और चौंकाने वाला मामला आईएफडीसी फर्स्ट बैंक का है। इस बैंक के कर्मचारियों पर आरोप है कि उन्होंने सामूहिक साजिश रची और हरियाणा सरकार के खाते में 583 करोड़ रुपये का भारी–भरकम घोटाला कर दिया। बैंक ने धोखाधड़ी की पूरी रकम चुका दी है और अब यह मामला सुर्खियों से गायब हो चुका है। इस पर शायद ही कोई सवाल उठाया गया है कि ऐसी धोखाधड़ी की योजना कैसे बनाई गई और उसे किस तरह अंजाम दिया गया। हाल ही में मुख्य रूप से ऑटो–टैक्सी ड्राइवरों और छोटे व्यापारियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बने छोटे श्न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंकश का पतन बैंक के शीर्ष स्तर पर हुई संदिग्ध डीलिंग्स से जुड़ा था। सारस्वत बैंक द्वारा अधिग्रहण किए जाने से स्थिति संभल गई और छोटे जमाकर्ताओं के पैसे सुरक्षित हो गए इसलिए अब इस मामले को लगभग भुला दिया गया है। इसके अलावा कई अन्य बड़े बैंकिंग घोटाले भी हुए हैं– आईसीआईसीआई बैंक में हुए उस चौंकाने वाले घोटाले का जिक्र तो अभी किया ही नहीं गया है जिसकी वजह से उसकी सीईओ चंदा कोचर को 2019 में पद से हटा दिया गया था। इसमें अन्य घोटालों की लंबी फेहरिस्त को भी जोड़ लें (आरबीआई की श्रिपोर्ट ऑन ट्रेंड एंड प्रोग्रेस ऑफ बैंकिंग इन इंडिया, 2024–25 के अनुसार, 2024–25 में सभी घोटालों की कुल राशि 34,771 करोड़ रुपये थी

जबकि 2019–20 में यह आंकड़ा 1,54,096 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था) तो इस क्षेत्र पर लोगों का भरोसा एक चिंताजनक मोड़ ले लेता है। एचडीएफसी बैंक का महत्व उसकी उस यात्रा में निहित है जो यह दिखाती है कि अच्छी ग्रोथ और अच्छा गवर्नेंस कैसे साथ–साथ चल सकते हैं। यह कहानी बदली हुई परिस्थितियों में भी तब तक कायम रहेगी जब तक शीर्ष स्तर से मिलने वाले निर्देशों के साथ–साथ जमीनी स्तर पर भी त्वरित कार्रवाई होती रहेगी। निर्देशों का दायरा केवल बोर्ड रूम की दीवारों पर लिखे श्विजन स्टेटमेंटश के नीरस उल्लेखों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। निर्देशों का वास्तविक अर्थ है– कठिन मुद्दों को सामने लाना और उन पर खुलकर चर्चा करना। भले ही इससे अल्पकाल में कुछ असहजता का सामना करना पड़े लेकिन इसका अंतिम लक्ष्य होना चाहिए उलंघनों पर रोक लगाना, व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करना और दीर्घकाल में विश्वास का निर्माण करना। जब बोर्ड कठिन मुद्दों को पूरी गंभीरता से सुलझाने के लिए तत्पर होंगे और जहां आवश्यक हो वहां कठोर कार्रवाई का समर्थन करेंगे तभी निचले स्तर पर कार्यरत लोगों तक सही संदेश पहुंच पाएगा। विकास के पीछे पागलपन की हद तक भागना और लक्ष्य निश्चित करना, यह सब श्उच्च पदस्थ लोगों के सुर से सुर मिलानेश का ही एक हिस्सा है। यह माहौल एक ऐसा जहरीला वातावरण पैदा कर सकता है जिसमें गलत लोग भी अच्छे, बल्कि कहें तो बेहतरीन नतीजे दे सकते हैं। वे भले ही श्स्टार परफॉर्मरश बन जाएं लेकिन ट्रैफिक सिग्नलों को नजरअंदाज कर तेजी से दौड़ने वाली गाड़ी आखिरकार दुर्घटनाग्रस्त हो ही जाती है। इस दुर्घटना का जिम्मेदार कौन है– वह गलत व्यक्ति या फिर वह माहौल जिसने उस गलत व्यक्ति को पैदा किया? इस सवाल का जवाब हमें शासन–प्रशासन की उन जटिलताओं की ओर इशारा करता है जहां आज के दौर में श्आंकड़ों में विकासश ही सफलता का एकमात्र पैमाना बन चुका है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आधुनिक भारत की नई उड़ान

सौरभ वार्ष्णेय

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और पूरे भारत की विकास यात्रा का एक बड़ा आधार बनने जा रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इसके माध्यम से प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाई मिलेगी। इस नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आधुनिक भारत की नई उड़ान माना जा रहा है। इस विकास से प्रदेश का ही नहीं देश का विकास भी संभव हो सकेगा? देश की तरक्की में कम्युनिकेशन यानी यातायात को सुगम बनाना स्वाभाविक ही वह क्षेत्र और देश स्वयं तरक्की के पंख लगा लेता है। आज उसी अध्याय में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को बीमारूच छवि से बाहर निकालेगा। प्रदेश की छवि में चार चांद लगेंगे जैसा की बताया जा रहा है अप्रैल के अंत में फ्लाइट्स शुरू होने के बाद यह देश का पांचवां सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा। चारों फेज का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनेगा। 5000 एकड़ से अधिक के क्षेत्रफल में एयरपोर्ट का विस्तार होगा। पहले फेज के बाद इस एयरपोर्ट पर यात्री क्षमता करीब 1.2 करोड़ होगी। फाइनल फेज पूरी होने के बाद यह 7 करोड़ से अधिक यात्री क्षमता वाला एयरपोर्ट होगा। उड़ानें शुरू होने के बाद तेजी से बढने की उम्मीद है। भविष्य का सबसे बड़ा एविएशन हब बनने की पूरी क्षमता रखता है। इससे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को श्बीमारूच छवि से बाहर निकालकर श्विकसित प्रदेशच की दिशा में ले जाने की क्षमता रखता है। और जब देश का सबसे बड़ा राज्य आर्थिक रूप से सशक्त होगा, तो स्वाभाविक है कि भारत की समग्र प्रगति भी तेज होगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) का उद्घाटन होने के बाद अब अप्रैल माह के अंत तक उड़ाने शुरू होने की उम्मीद की जा रही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 65 शहरों के लिए उड़ान शुरू किए जाने का दावा है। पहले चरण में देश के 10 शहरों के लिए सेवा शुरू होगी। शुरुआत में केवल घरेलू और कार्गो उड़ानें ही संचालित होंगी। नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही यूपी पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य बन गया है। वैसे तो देश में एयरपोर्ट अलग–अलग मानकों के आधार पर तय किए जाते हैं। इनमें यात्री क्षमता, क्षेत्रफल और उड़ानों की संख्या शामिल होती है। देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट के आधार पर सबसे बड़ा दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। वहीं, क्षेत्रफल के लिहाज से हैदराबाद एयरपोर्ट सबसे बड़ा है। उड़ानों की दृष्टि से सबसे बड़ा एयरपोर्ट दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट है। जेवर एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इसे सबसे बड़ा माना जाएगा। देश के पांच सबसे बड़े एयरपोर्ट होगा। सबसे पहले, यह एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार और निवेश के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करेगा। अभी तक दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर अत्यधिक दबाव रहता है, लेकिन जेवर एयरपोर्ट उस दबाव को कम करेगा और क्षेत्र में हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। इससे निर्यात, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। दूसरा, यह परियोजना रोजगार के विशाल अवसर पैदा करेगी। निर्माण चरण से लेकर संचालन तक लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आसपास के क्षेत्रोंकृजैसे ग्रेटर नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़कृमें औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। तीसरा, यह एयरपोर्ट श्मल्टी–मॉडल कनेक्टिविटीच का केंद्र बनेगा। एक्सप्रेसवे, मेट्रो और रेल नेटवर्क से जुड़कर यह क्षेत्र एक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित होगा। इससे किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्योगों को अपने उत्पाद देश–विदेश तक पहुंचाने में आसानी होगी।चौथा, विदेशी निवेश को आकर्षित करने में यह अहम भूमिका निभाएगा। जब वैश्विक कंपनियां बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर देखती हैं, तो वे निवेश के लिए अधिक इच्छुक होती हैं। इससे श्मेक इन इंडियाच और श्आत्मनिर्भर भारतच जैसे अभियानों को मजबूती मिलेगी। हालांकि, विकास के इस मॉडल में कुछ चुनौतियां भी हैंकृजैसे पर्यावरण संतुलन और स्थानीय लोगों के पुनर्वास के मुद्दे। इनका संवेदनशील और संतुलित समाधान जरूरी है, ताकि विकास समावेशी और टिकाऊ बन सके। उत्तर प्रदेश लंबे समय से अपनी विशाल जनसंख्या, कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था और सीमित औद्योगिक विस्तार के कारण विकास की चुनौतियों से जूझता रहा है। ऐसे में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण न केवल एक बुनियादी ढांचा परियोजना है, बल्कि यह राज्य की आर्थिक तस्वीर बदलने की क्षमता रखने वाला ऐतिहासिक कदम है।सबसे पहले, यह एयरपोर्ट क्षेत्रीय और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। दिल्ली–एनसीआर के बढ़ते दबाव को कम करते हुए यह नया हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन और निवेश को आकर्षित करेगा। जब दुनिया के बड़े शहरों से सीधी उड़ानें जुड़ेंगी, तो विदेशी कंपनियों के लिए उत्तर प्रदेश में निवेश करना अधिक आसान और लाभदायक होगा।दूसरा महत्वपूर्ण पहलू रोजगार का है। एयरपोर्ट के निर्माण से लेकर उसके संचालन तक लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। होटल, परिवहन, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और रिटेल जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं खुलेंगी। आसपास के क्षेत्रों में छोटे और मध्यम उद्योगों को भी गति मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।तीसरा, यह परियोजना औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के तहत विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों को इस एयरपोर्ट से सीधा लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में यह क्षेत्र तेजी से उभर सकता है।

राजेश यादव बनाए गए कंजाकला के सपा अध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के दिशा निर्देश पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की सहमति से जौनपुर जिले में राजेश यादव को करंजाकला विकासखंड इकाई का समाजवादी पार्टी ने अध्यक्ष बनाया। यह नियुक्ति जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य व सदर विधानसभा अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने नियुक्ति पत्र दिया । माल्यार्पण कर उन्हे सम्मानित किया। बता दें राजेश यादव

करंजाकला विकासखंड के सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के खम्भौरा गांव के निवासी हैं । पेशे से अध्यापक है,नव नियुक्त अध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि जो भी जिम्मेदारी मिली हैं उसे निष्ठा से निर्वहन करुंगा और पार्टी मजबूत करने और आगे ले जाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा। पार्टी की नीतियों व उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाते हुए पार्टी को मजबूती प्रदान करूंगा । इस अवसर पर महासचिव आरिफ हबीब, जिला उपाध्यक्ष डा. जितेंद्र यादव, राजकुमार यादव, सुरेश, दिलीप प्रजापति, दारा सिंह चौहान, अशोक कुमार जितेंद्र मौजूद रहे।

शीतला चौरा माता मंदिर का 49 वां श्रृंगार महोत्सव में हजारों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के चहारसू चौराहा स्थित शक्तिपीठ मां शीतला चौरा माता मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित 49वां वार्षिक श्रृंगार महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के माहौल में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित पारंपरिक विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माता का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रसाद ग्रहण किया।

महोत्सव की शुरुआत विधिवत पूजन–अर्चन और माता के भव्य श्रृंगार के साथ हुई। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया और भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पूर्व सांसद धनंजय सिंह तथा विशिष्ट एमएलसी बृजेश सिंह (प्रिंसू) सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। इस मौके पर धनंजय सिंह ने आयोजको को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस तरह के धार्मिक कार्यक्रम से सनातन धर्म को बढ़ावा मिलता है और लोगों में धर्म के प्रति आस्था बढ़ती है। जागरण कार्यक्रम में बनारस से आए हुए गायक डॉ अमलेश शुक्ला ने – चौरा मैया के दरबार में जे भी जाला, किस्मत चमक जाला.. व बम बम बोल रहा है जौनपुर वासी.. गीत पर दर्शक झूमने लगे और मनोज सोनी कोमल,सुरेंद्र मिश्रा,गायिका प्रियंका पांडेय प्रिया,रिंकी सिंह ने एक से एक गीत गाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दुर्गा मैया व राम जानकी की अद्भुत झांकी देख दर्शक भाव–विभोर हो गए।

मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया और आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह महोत्सव वर्षों से क्षेत्र की आस्था और परंपरा का प्रतीक बना हुआ हैं। कार्यक्रम का संचालन अनिल अस्थाना ने किया

इस अवसर पर कर्मचारी नेता निखिलेश सिंह,चौकिया के महंत विवेकानंद पंडा,शिवेंद्र सिंह,सुधीर सिंह,पम्मू सिंह,उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष विवेक सिंह, मनोज सिंह वत्स,महादेव सेना के विमल सिंह,शशांक सिंह रानू, सुशील चौधरी, मनीष सोनी सहित कई धार्मिक संगठनों व संस्था के पदाधिकारी लोग उपस्थित रहे।

पीसीएस परिणाम में चमके बदलापुर के दो सितारे, प्रतिभा बनीं पंचायत राज अधिकारी तो हिमालय बने नायब तहसीलदार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग 2024 के सोमवार को घोषित परिणाम में बदलापुर क्षेत्र की दो प्रतिभाओं ने शानदार सफलता हासिल कर जनपद का नाम रोशन किया है। प्रतिभा यादव और हिमालय सिंह की उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। बदलापुर क्षेत्र के श्री गणेश राम इंटर कॉलेज बटाऊवीर शाहपुर के प्रिंसिपल अनिल कुमार की भतीजी प्रतिभा यादव, पुत्री शिवकुमार यादव (पूर्व जेल अधीक्षक), ने पीसीएस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर पंचायत राज अधिकारी का पद हासिल किया है। प्रतिभा की प्रारंभिक शिक्षा प्राथमिक पाठशाला अलाउद्दीनपुर से शुरू हुई। इसके बाद उन्होंने राजदेई बालिका इंटर कॉलेज से जूनियर हाईस्कूल तथा

राजकीय इंटर कॉलेज इटावा से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की शिक्षा पूरी की। बीटेक की पढ़ाई लखनऊ से करने के बाद उन्होंने दिल्ली में रहकर पीसीएस की तैयारी की। तीसरे प्रयास में साक्षात्कार पास कर उन्होंने यह सफलता हासिल की। वर्तमान में वह पीसीएस 2025 की मुख्य परीक्षा भी दे रही हैं। वहीं, बदलापुर विकासखंड के गजेन्द्रपुर गांव निवासी हिमालय सिंह ने 82वीं रैंक प्राप्त कर नायब तहसीलदार का पद हासिल किया है। वह नोडल संकुल शिक्षक अजय कुमार सिंह के पुत्र हैं। हिमालय ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव के प्राथमिक विद्यालय से प्राप्त की और हाईस्कूल व इंटरमीडिएट श्री बजरंग इंटर कॉलेज घनश्यामपुर से पास किया। इसके बाद प्रयागराज से बीए की पढ़ाई पूरी कर वहीं रहकर पीसीएस की तैयारी की। दूसरे प्रयास में ही उन्होंने सफलता हासिल कर यह मुकाम पाया। दोनों प्रतिभाओं ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता, गुरुजनों और क्षेत्रवासियों के सहयोग को दिया है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और गणमान्य लोगों ने दोनों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है।

साइबर पुलिस की बड़ी कार्रवाई 240 गुमशुदा मोबाइल बरामद, 56 लाख की संपत्ति मालिकों को सौंपी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में साइबर क्राइम सेल ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 240 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया। बरामद किए गए मोबाइलों की कुल बाजार कीमत लगभग 56 लाख रुपये आंकी गई है। इस सराहनीय पहल से मोबाइल धारकों के चेहरे पर खुशी साफ झलकती नजर आई। मामले का खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि गुमशुदा मोबाइलों से संबंधित प्रार्थना पत्रों और सीईआईआर (ब्म्प्त) पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर साइबर क्राइम थाना जौनपुर की टीम ने तकनीकी सहायता से इन मोबाइलों को ट्रेस कर बरामद किया। उन्होंने बताया कि ये मोबाइल केवल जौनपुर जनपद ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के आजमगढ़, वाराणसी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, बलिया, प्रतापगढ़ और भदोही समेत अन्य जिलों से भी प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा कुछ मोबाइल दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार और राजस्थान जैसे राज्यों से भी बरामद किए गए। बरामद मोबाइलों में प्रमुख रूप से वन प्लस, वीवो, रेडमी, ओप्पो, रियलमी, टेक्नो, पोको, नोकिया और सैमसंग कंपनियों के फोन शामिल हैं। अब तक साइबर क्राइम सेल द्वारा करीब 1400 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामियों को सुपुर्द किए जा चुके हैं। एसपी सिटी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि मोबाइल फोन गुम होने की स्थिति में सबसे पहले संबंधित थाने में गुमशुदगी दर्ज कराएं और तत्पश्चात सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत जरूर करें। उन्होंने साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूकता को बेहद जरूरी बताया। साथ ही सलाह दी कि किसी भी साइबर अपराध का शिकार होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। इसके अलावा नजदीकी थाने की साइबर हेल्पडेस्क पर जाकर भी लिखित शिकायत की जा सकती है।

छात्रा अपहरण मामले में दोषी को तीन वर्ष कारावास,अन्य तीन को भी सजा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में दीवानी न्यायालय में चल रहे एक मुकदमे में एक छात्रा के अपहरण मामले में अपर सत्र न्यायाधीश अपर्णा देव ने मुख्य दोषी मनोज कुमार निषाद को तीन वर्ष के कारावास और 5,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। पीड़िता को छिपाने के दोषी बाबूराम, श्यामदेई और इमरती को भी तीन वर्ष कारावास और 8,000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि अर्थदंड का भुगतान न करने पर दोषियों को दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। साथ ही, अर्थदंड की आधी राशि पीड़िता को देने का भी निर्देश दिया गया है। यह मामला बक्सा थाने में आरोपितों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर चला। अभियोजन पक्ष के शासकीय अधिवक्ता लाल बहादुर पाल ने मंगलवार को जानकारी लेने पर बताया कि घटना के समय पीड़िता 17 वर्ष की थी और टीडी कॉलेज में पढ़ती थी। आरोपी नवीन उससे शादी करना चाहता था। यह घटना 4 मार्च 2008 को हुई थी, जब पीड़िता छप्पर में बैठकर सिलाई कर रही थी। आरोपी मनोज कुमार निषाद और नवीन निषाद मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे और पीड़िता का अपहरण कर लिया। पुलिस और परिवार के दबाव के बाद, आरोपितों ने 6 मार्च 2008 को पीड़िता को टीडी कॉलेज के गेट के सामने छोड़ दिया। पीड़िता किसी तरह अपने घर पहुंची और बताया कि नवीन और मनोज उसे अपहरण कर बाबूराम निषाद के घर ले गए थे। बाबूराम, उसकी पत्नी श्यामदेई और दयाराम की पत्नी इमरती ने पीड़िता को मकान की ऊपरी मंजिल के एक कमरे में बंद कर रखा था। पीड़िता ने बताया कि इस दौरान नवीन ने उसके साथ दुष्कर्म किया था।इस आधार पर आरोपितों को सजा सुनाई गई है।

पुलिस का वृहद जागरूकता अभियान मिशन शक्ति फेज-05 के तहत महिलाओं को किया जा रहा सशक्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर जौनपुर पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज–05 के अंतर्गत मंगलवार को व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में अभियान जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में सक्रिय रूप से संचालित किया जा रहा है। अभियान के द्वितीय चरण में मिशन शक्ति टीम और एंटी रोमियो टीम द्वारा स्कूलों, बाजारों, सार्वजनिक स्थानों, मेलों, चौक–चौराहों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर महिलाओं और छात्राओं को जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान उन्हें महिला अधिकारों, सुरक्षा उपायों, साइबर अपराध से बचाव के तरीके तथा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। जागरूकता कार्यक्रमों में विशेष रूप से गुड टच और बैड टच, घरेलू हिंसा से जुड़े कानूनी प्रावधान, साइबर

अपराधों के खतरे और उनसे बचाव के उपायों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया जा रहा है। साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर और सजग बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पुलिस द्वारा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी जा रही है, जिनमें 1090 (महिला पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 108 (स्वास्थ्य सेवा), 1098 (बाल हेल्पलाइन), 1930 (साइबर हेल्पलाइन) और 1076 (सीएम हेल्पलाइन) शामिल हैं। आपात स्थिति में इन नंबरों का तत्काल उपयोग करने के लिए लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। इसके अलावा, प्रत्येक थाने पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों के माध्यम से महिलाओं को त्वरित सहायता, परामर्श, शिकायत निस्तारण और योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। पुलिस ने इस अभियान के जरिए स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता है और पुलिस हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है।

संक्षिप्त खबरें

एंबुलेंस सेवा अब किसी भी पंप से ले सकेंगे डीजल

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में 102 और 108 एंबुलेंस सेवाओं के संचालन को निर्बाध बनाए रखने के लिए संचालक कंपनी जीवीके ईएमआरआई ने ईंधन खरीद के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब एंबुलेंस चालक किसी भी कंपनी के पेट्रोल पंप से तेल भरवा सकेंगे। आपात स्थिति में नकद भुगतान कर ईंधन खरीदने की अनुमति भी दे दी गई है। वर्तमान में प्रदेश में 102 सेवा की 2,270 और 108 सेवा की 2,200 एंबुलेंस संचालित हैं। बीते दिनों पूर्वांचल के 30 जिलों में ईंधन आपूर्ति बाधित होने से सेवाएं लड़खड़ा गई थीं। कंपनी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट टीवीएसके रेड्डी ने बताया कि पहले केवल इंडियन ऑयल के पंपों से तेल लेने का करार था, जिससे संचालन में दिक्कत आ रही थी। अब ड्राइवरों को जरूरत पड़ने पर कहीं से भी ईंधन लेने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मरीजों को मिलने वाली मुफ्त सेवा में कोई रुकावट न आए।

कार्यशाला में पार्टी की रीति, नीति, विचारधारा पर चर्चा

लखनऊ, (संवाददाता)। भाजपा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत कैंट मंडल एक की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन आलमबाग स्थित एक होटल में किया गया। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकर्ता निर्माण की कुंजी है और संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत व समर्पण से ही मजबूत होता है। मीडिया प्रभारी अनुराग साहू ने बताया कि लखनऊ महानगर के 25 मंडलों में से पांच मंडलों में कार्यशाला पूरी हो चुकी है और शेष मंडलों में 13 अप्रैल तक कार्यक्रम पूरे कर लिए जाएंगे। इस दौरान राज्यसभा सदस्य अमर पाल मौर्या, विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, पूर्व विधायक सुरेश तिवारी, मान सिंह और हरशरण लाल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

ऐशबाग रेलवे पॉली क्लीनिक में स्वास्थ्य परीक्षण एवं डेंटल चेक–अप शिविर आयोजित

लखनऊ,(आरएनएस) । पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा० दीक्षा चौधरी के निर्देशन में ऐशबाग रेलवे पॉली क्लीनिक में स्वास्थ्य परीक्षण एवं डेंटल चेक–अप शिविर का आयोजन किया गया।इस स्वास्थ्य शिविर में वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ० रंजना पाटनी तथा डेंटल सर्जन डॉ० रुचिका किशोर द्वारा कुल 21 सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें 13 पुरुष एवं 8 महिला कर्मचारी शामिल थे।।

प्रसव के जटिल केस भी संभाल रहे छोटे जिलों के अस्पताल, डॉक्टरों-स्टाफ की बढ़ी क्षमता

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के छोटे जिलों के अस्पताल अब जटिल प्रसव के मामलों को सफलतापूर्वक संभालने लगे हैं। इससे मरीजों को बड़े मेडिकल कॉलेजों में रेफर करने की आवश्यकता में कमी आई है। यह बदलाव रीजनल रिसोर्स एंड ट्रेनिंग सेंटर (आरआरटीसी) की स्थापना के बाद दिखाई दे रहा है। इस पहल के तहत अब तक प्रदेश के 76 जिला अस्पतालों के 1791 डॉक्टरों को जटिल प्रसव प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रदेश में मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से यह मॉडल अपनाया गया है। पहले जिला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेषज्ञ सेवाओं की कमी, आपात स्थितियों में त्वरित निर्णय लेने में कठिनाई और समय पर रेफरल की जटिलताओं के कारण कई गंभीर स्थितियां उत्पन्न हो जाती थीं। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए आरआरटीसी मॉडल लागू किया गया,

जो अब प्रभावी साबित हो रहा है। वर्तमान में प्रदेश के 20 मेडिकल कॉलेजों में आरआरटीसी स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, सामान्य और जटिल प्रसव प्रबंधन, आपातकालीन देखभाल आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रणाली के तहत ऑन–साइट मेंटरिंग, निरंतर प्रशिक्षण, नर्सिंग स्टाफ का सशक्तीकरण और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जाता है। लखनऊ में केजीएमयू, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, बीएचयू वाराणसी, एएमयू अलीगढ़, यूपी आयुर्विज्ञान संस्थान सैफई, जिम्स नोएडा, राजकीय मेडिकल कॉलेज आगरा, गोरखपुर, प्रयागराज, कानपुर, मेरठ, झांसी, आजमगढ़, अंबेडकरनगर, बदायूं, जालौन, सहारनपुर एवं बांदा। निजी कॉलेजों में श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बरेली, एरा मेडिकल कॉलेज लखनऊ शामिल हैं। अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कॉलेज में स्थापित आरआरटीसी ने आसपास के जिलों के डॉक्टरों की क्षमतावृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहां की डॉ. नसरीन नूर ने बताया कि एक 23 वर्षीय महिला के जटिल गर्भावस्था मामले में समय रहते सही पहचान और सर्जरी से उसकी जान बचाई गई। यह संभव हुआ विशेषज्ञों से मिले प्रशिक्षण की वजह से। रानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज झांसी की नोडल अधिकारी डॉ. अंशुल जैन ने बताया कि हब–एंड–स्पोक आधारित मेंटरशिप मॉडल में होने का फायदा मिल रहा है। यहां से झांसी के साथ ही ललितपुर व महोबा जिला अस्पताल को जोड़ा गया है। किसी भी जटिल मामले में फंसने पर तीनों जिला अस्पताल के डॉक्टर तुरंत मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञों से संपर्क साधते हैं। बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर की नोडल अधिकारी डॉ. रूमा बताती हैं कि पहले जहां छोटे मामलों में भी मरीजों को मेडिकल कॉलेज भेज दिया जाता था, वहीं अब जिला अस्पतालों में ही बेहतर सुविधाएं और प्रशिक्षित स्टाफ उपलब्ध होने से मरीजों को त्वरित और प्रभावी इलाज मिल रहा है। कॉलेज से देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर जिला अस्पताल के डॉक्टरों की मेंटरशिप की जा रही है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि इस व्यवस्था से मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ है। इसका सीधा लाभ प्रसूताओं और नवजात शिशुओं को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस मॉडल को भविष्य में और विस्तारित करने की योजना है, ताकि प्रदेश के सभी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें।

नौकरी का झांसा देकर 3.80 लाख की ठगी व शारीरिक शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना विकासनगर पुलिस ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर 3 लाख 80 हजार रुपये की ठगी करने, शारीरिक शोषण करने तथा कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर गर्भपात का प्रयास करने वाले वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।पुलिस के अनुसार 1 मार्च 2026 को शिकायतकर्ता के प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना विकासनगर में मु0अ0सं0 41/2026 के तहत धारा 64(1), 78, 89, 115(2), 123, 318(4), 352, 351(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 तथा धारा 66 ई सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पीड़िता के बयान और साक्ष्यों के आधार पर अभियोग की धाराओं में संशोधन किया गया।जांच के क्रम में अभियुक्त अंकुर अग्रवाल (उम्र 38 वर्ष) पुत्र नवल किशोर अग्रवाल, निवासी ग्राम पडरौना थाना पडरौना जनपद कुशीनगर, हाल पता सी–2/327 सेक्टर–एफ, जानकीपुरम लखनऊ, गिरफ्तारी हेतु वांछित चल रहा था। थाना विकासनगर पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर 28 मार्च 2026 की रात्रि लगभग 12:50 बजे सेक्टर–एफ जानकीपुरम स्थित उसके घर के सामने से अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। बाद में अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार लखनऊ भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार अभियुक्त ने पीड़िता को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे 3 लाख 80 हजार रुपये हड़प लिए।

एटीएम से नहीं निकले पैसे, खाते से कट गए

लखनऊ, (संवाददाता)। एक युवक ने एटीएम से दस हजार निकालने के लिए कार्ड लगाया लेकिन पैसे नहीं निकले। इसके बावजूद उसके खाते से दस हजार रुपये कट गए। इस पर युवक ने अपने बैंक और जिस बैंक का एटीएम था, वहां शिकायत दर्ज कराई। कोई सुनवाई न होने पर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वितीय की अदालत में गुहार लगाई। आयोग ने आदेश पारित कर बैंक को 10 हजार रुपये ग्राहक को लौटने के साथ ही 10 हजार रुपये मानसिक कष्ट के लिए और पांच हजार रुपये वाद व्यय के लिए अतिरिक्त देने को आदेश सुनाया है। निशातगंज के बाबा का पुरवा निवासी पिंटू श्रीवास्तव ने अदालत को बताया कि उनका खाता बैंक ऑफ बड़ौदा की निशातगंज शाखा में है। इसी बैंक से उन्हें एटीएम कार्ड भी जारी हुआ था। 25 फरवरी 2016 को पिंटू ने स्टेट बैंक की गोंडा स्थित करनैलगंज शाखा के एटीएम से 10 हजार रुपये निकालने के लिए कार्ड लगाया। पैसे तो नहीं निकले लेकिन खाते से 10 हजार रुपये कट गए। इसकी शिकायत स्टेट बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा की संबंधित शाखाओं में की लेकिन सुनवाई नहीं हुई। 7 जून 2016 को उन्होंने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वितीय की अदालत में शिकायत की। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने आदेश पारित किया है कि संबंधित बैंक एकल या संयुक्त रूप से 30 दिन के भीतर परिवादी को 10 हजार रुपये का भुगतान नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर के हिसाब से करें। साथ ही मानसिक कष्ट के लिए 10 हजार व वाद व्यय के लिए 5 हजार अतिरिक्त का भुगतान करें।

पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी ने लखनऊ परिक्षेत्र के प्रशिक्षण केंद्रों व संस्थानों का किया निरीक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार ने वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राहुल यादव के साथ लखनऊ परिक्षेत्र के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों एवं मनोरंजन संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बहु–विषयक प्रशिक्षण केंद्र, ऐशबागय मंडल प्रशिक्षण केंद्र (कैरिज एंड वैगन), ऐशबाग डिपोय मनोरंजन संस्थान, ऐशबागय ट्रैक मेंटेनर छात्रावास, ऐशबाग तथा महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित लखनऊ सिटी रेलवे स्टेशन का विस्तृत अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी ने प्रशिक्षण व्यवस्थाओं, आधारभूत सुविधाओं तथा कर्मचारियों के लिए उपलब्ध संसाधनों की गुणवत्ता का गहन मूल्यांकन किया। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्रों में संचालित कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि कर्मचारियों के कौशल विकास और कार्यकुशलता में वृद्धि के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और अधिक व्यावहारिक, आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत बनाया जाए, जिससे कर्मचारियों की दक्षता में निरंतर सुधार सुनिश्चित हो सके।ट्रैक मेंटेनर छात्रावास और कैरिज एंड वैगन डिपो के निरीक्षण के दौरान उन्होंने

सेवा निवृत्त प्रधानाचार्यो को डीआईओएस ने किया सम्मानित

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद जनपद अयोध्या द्वारा 31 मार्च 2026 को अवकाश प्राप्त करने वाले जिले के प्रधानाचार्यो का सम्मान समारोह प्रधानाचार्य परिषद के जिला अध्यक्ष संजीव चतुर्वेदी के नेतृत्व में सिविल लाइन स्थित कृष्ण पैलेस होटल में आयोजित किया गया।सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि डीआईओएस डॉक्टर पवन तिवारी रहे। अवकाश प्राप्त करने वाले अरवत इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य गिरीश दुबे, सिंगी ऋषि इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य और अवनींद्र श्रीवास्तव , जनता इंटर कॉलेज जयसिंह मऊ के प्रधानाचार्य गुलबहार निषाद तथा राजकीय इंटर कॉलेज के उप प्रधानाचार्य राजेश तिवारी, दीनदयाल इंटर कॉलेज बाकरगंज के प्रधानाचार्य अरुण तिवारी को जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन तिवारी ने साल ओढ़ाकर तथा माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बोलते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन तिवारी ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है कोई आता है और कोई जाता है। आप सभी ने लंबे समय तक माध्यमिक शिक्षा में जो योगदान दिया उसके लिए विभाग आपका सदैव ऋणी रहेगा।जीवन के नई पारी शुरुआत के लिए हम सभी के तरफ आप लोगो को शुभकामनाएं।प्रधानाचार्य परिषद के जिला अध्यक्ष संजीव चतुर्वेदी ने कहा कि प्रधानाचार्य का पद बहुत अहम होता है। विद्यालय का मुखिया होने नातद्दे उसको तमाम कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ता है। लेकिन सभी के बीच सामंजस बैठाना ही इस पद की खूबी होती है। आप सभी ने यह दायित्व बखूबी से निभाया इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। इसीलिए यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। इस अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य ओमकार पाल, प्रधानाचार्य परिषद के मंडल अध्यक्ष सरोज कुमार द्विवेदी, माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री आलोक तिवारी, कार्यक्रारी अध्यक्ष सुनील द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष डॉ रामकृष्ण पांडेय, कोषाध्यक्ष उदयभान तिवारी, मीडिया प्रभारी अखिलेश उपाध्याय , प्रधानाचार्य धर्मेंद्र सिंह, प्रधानाचार्य अश्वनी त्रिवेदी , प्रधानाचार्य अमृतलाल सरोज,प्रधानाचार्य संजीव कुमार, प्रधानाचार्य दिनेश द्विवेदी, प्रधानाचार्य राकेश विश्वकर्मा, प्रधानाचार्य डॉक्टर राजेश सिंह ,प्रधानाचार्य रमाकांत त्रिपाठी, प्रधानाचार्य रियाल अहमद, प्रधानाचार्य राम तीरथ यादव,महानगर अध्यक्ष अनूप पांडेय, डॉ रंजीत वर्मा, हसन अब्बास, आदि उपस्थित रहे।

जेवरात से भरा बैग आरपीएफ कर्मी ने रेल यात्री को वापस कर किया सराहनीय कार्य

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ अयोध्या कैंट हरीश शाही व उनकी टीम की तत्परता से लाखों रुपये के जेवरात व अन्य सामान से भरा बैग गाडी संख्या 22129 से बरामद कर रेलयात्री को वापस किया।इस सबंध मे प्रभारी निरीक्षक अयोध्या कैंट हरीश शाही ने बताया कि सोमवार को सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, लखनऊ से सूचना प्राप्त हुई कि गाडी सं०–22129 के कोच नं०–बी–1 बर्थ नं०–29 व 30 पर एक यात्री का एक काले रंग का पिट्ठू बैग छूट गया है।उक्त सूचना को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने उप निरीक्षक अनुज कुमार व अन्य कर्मियों के साथ उक्त ट्रेन के आने से पहले प्लेटफार्म पर मौजूद थे।ट्रेन के आते ही उन्होंने तत्काल ट्रेन चेक करने के निर्देश कर्मियों को दिये। जिसके चलते अयोध्या कैंट स्टाफ द्वारा उक्त गाडी से बैग को बरामद कर लिया गया। बताया कि सूचना पर बैग के स्वामी नीरज ओम प्रकाश तिवारी पुत्र ओमप्रकाश रामप्यारे तिवारी निवासी–रूम नं०–508 यादव नगर ऐरोली थाना–रावले जिला–ठाणे महाराष्ट्र निवासी अयोध्या कैंट आरपीएफ थाने पर अपना बैग लेने के लिए पहुंचे।बैग को चेक करने पर बताया कि उसमे एप्पल कम्पनी का लैपटॉप व लाखों रूपये की कीमत के जेवरात जो मिले ठीक है।पूछताछ मे रेल यात्री ने बताया गया कि वह अपने एक रिश्तेदार की शादी में प्रतापगढ़ उक्त सामान लेकर जा रहा था बैग खोने से वह अत्यंत परेशान हो गया था।उक्त यात्री द्वारा अपना बैग समस्त कीमती सामानों के साथ सुरक्षित पाकर आरपीएफ टीम की भूरी–भूरी प्रशंसा किया।

डाभासेमर स्टेडियम में आवासों का शुरू हुआ जीर्णोद्धार

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल, डाभासेमर स्टेडियम परिसर में बने टाइप–एक से लेकर टाइप–चार तक के आवासों का जीर्णोद्धार कार्य तेजी से कराया जा रहा है।इसके साथ ही पूरे परिसर में अंडरग्राउंड बिजली केबिलों को भी बदला जाएगा, जिससे भविष्य में विद्युत आपूर्ति बाधित न हो और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनी रहे। बताते चले कि लंबे समय से आवासों की स्थिति जर्जर हो गई थी,जिसके चलते खिलाड़ियों और कर्मचारियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा था।इसे ध्यान में रखते हुए मरम्मत और नवीनीकरण का कार्य शुरू कराया गया है।जीर्णोद्धार के तहत भवनों की दीवारों, छतों, फर्श और अन्य आवश्यक संरचनाओं को दुरुस्त किया जा रहा है।स्टेडियम परिसर में पुरानी और क्षतिग्रस्त अंडरग्राउंड बिजली केबिलों को भी चरणबद्ध तरीके से बदला जाएगा।इससे न केवल बिजली आपूर्ति सुचारु होगी,बल्कि किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका भी कम होगी।कार्य पूर्ण होने के बाद परिसर में रहने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।इस संबंध में क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अनिमेष सक्सेना ने बताया कि जीर्णोद्धार कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे कि यहां पर रहने वाले खिलाड़ियों और कर्मचारियों को शीघ्र से रहने के लिए सुविधा मिल सके।

श्रद्धालुओं को 17 मिनट में दिखेगी पवन पुत्र हनुमान की संपूर्ण गाथा

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। रामनगरी में श्रद्धालुओं को पवन पुत्र हनुमान की संपूर्ण गाथा 17 मिनट में दिखेगी।इसको लेकर अयोध्या में अत्याधुनिक 7 डी गैलरी बनकर तैयार हो गई है।जो महज 17 मिनट में भक्तों को पवन पुत्र हनुमान की वीरता, भक्ति और पराक्रम की संपूर्ण गाथा को दिखाएगा।इस आधुनिक गैलरी में करीब 30 श्रद्धालु बैठकर इस दिव्य अनुभव का आनंद लेगे।जल्द ही इस अत्याधुनिक गैलरी का शुभारंभ होगा।शुभारंभ के बाद आम श्रद्धालुओं के लिए गैलरी खोल दी जायेगी।यह गैलरी आस्था और आधुनिक तकनीक का यह अनूठा संगम न केवल श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगा,बल्कि अयोध्या के आध्यात्मिक पर्यटन को भी एक नई ऊंचाई तक पहुंचाएगा।फ्रांस से आई तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने 5 दिन रहकर गैलरी का सफलता पूर्वक तकनीकी परीक्षण किया है।ट्रस्ट की मंजूरी के बाद यह गैलरी आम श्रद्धालुओं के लिए खोली जायेगी।

ट्रैक्टर ट्राली व बोलेरो की टक्कर मे दो की मौके पर मौत

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। जिले के थाना गोसाईगंज क्षेत्र के पकरेला ग्राम सभा में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया।सड़क किनारे खड़ी मोरंग लदी ट्रैक्टर ट्राली से टकराकर दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर ट्राली सड़क किनारे बिना किसी चेतावनी संकेत या सुरक्षा इंतजाम के खड़ी थी।इसी दौरान तेज रफ्तार बोलेरो वाहन आकर ट्राली से टकरा गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो के पीछे आ रही एक अन्य कार भी अनियंत्रित होकर उसी ट्राली में जा घुसी, जिससे हादसा और भयावह हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। आसपास के लोग तुरंत राहत और बचाव के लिए दौड़े, लेकिन तब तक दो लोगों की जान जा चुकी थी।हादसे में मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है, जिससे क्षेत्र में चिंता का माहौल बना हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।यह घटना एक बार फिर सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। बिना संकेत के सड़क पर खड़े भारी वाहन न केवल नियमों का उल्लंघन करते हैं, बल्कि दूसरों की जान के लिए भी खतरा बन जाते हैं।

वार्षिक पुरस्कार वितरण सम्मान मे सम्मानित हुये भवदीय पब्लिक स्कूल के मेधावी

अयोध्या। भवदीय पब्लिक स्कूल में आज वार्षिक पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन प्रातः 11रू00 बजे किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ।इस मौके पर उप प्रमुख छात्र दिव्यांश पाण्डेय द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। विद्यालय के अध्यक्ष इंजी. पी.एन. वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि–"विद्यालय के उत्तरोत्तर विकास में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।संस्था का पूर्ण दायित्व शिक्षकों पर होता है। शिक्षक ही विद्यार्थी जीवन के सारथी होते हैं इसलिए सभी विद्यालय के प्रति समर्पण की भावना से कार्य करें।" इसके उपरांत कक्षा 6 से आठ तक के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के मध्य में "बटोहिया गीत" पर समूह गान प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।तत्पश्चात कक्षा प एवं ग के विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में लोक–नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार वितरित किए गए, जिनमें

100: उपस्थिति पुरस्कार, नेतृत्व उत्कृष्टता पुरस्कार, कलात्मक उत्कृष्टता पुरस्कार, शैक्षणिक प्रगति पुरस्कार, सकारात्मक आचरण पुरस्कार तथा युवा फिल्म निर्माता पुरस्कार शामिल रहे।विषय विशेष उत्कृष्टता के अंतर्गत गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी, सामाजिक विज्ञान एवं संस्कृत में 95: से अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न सदन (कलाम, पटेल, राधाकृष्णन, विवेकानंद) के छात्रों को सदन प्रतिबद्धता पुरस्कारश प्रदान किए गए।कार्यक्रम में शिक्षक विनायक त्रिपाठी, प्रितेश पॉल एवं शिक्षिका दीप्ति चौधरी, फराह फातिमा को विभिन्न श्रेणियां में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधक डॉ0 अवधेश वर्मा द्वारा सभी शिक्षकों एवं छात्रों की सराहना करते हुए अपने आशीर्वचनों से अभिसिंचित किया। "कॉक हाउस" की घोषणा के साथ कार्यक्रम अपने अंतिम चरण में पहुँचा।समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन, विद्यालय गीत के साथ हुआ।यह आयोजन विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण एवं प्रेरणादायक रहा।

विजमोनी शाखा का वाइस प्रेसिडेंट ने फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर किया शुभारम्भ

अयोध्या। मंगलवार को शहर के राम पथ मार्ग पर स्थित नियावा में विजमोनी शाखा का उद्घाटन वाइस प्रेसिडेंट और जोनल हेड ईस्ट इंडिया आशुतोष कुमार तथा रीजनल हेड उत्तर प्रदेश रोहित कुमार श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया।

इस मौके पर कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट और जोनल हेड ईस्ट इंडिया आशुतोष कुमार ने बताया देश भर में इसकी साढे 300 शाखाएं हैं।बताया कि यह शाखा इस क्षेत्र की जरूरतमंद लोगों को जरूरत पड़ने पर निर्बाधा विदेशी मुद्रा विनिमय,त्वरित अंतरराष्ट्रीय मनी ट्रांसफर, विदेश मे धन भेजना,बहु मुद्रा यात्रा कार्ड,डिजिटल भुगतान,गोल्ड लोन जैसी कई सेवाओं को प्रदान करेगी। बताया कि अयोध्या विश्व के नक्शे पर है और यहां पर भारी संख्या में विदेशी पर्यटक भी आते हैं।इन विदेशी पर्यटकों को भी इस शाखा से काफी लाभ मिलेगा। इस मौके पर उन्होंने स्कूल ही बच्चों को बैग किट भी दिया। बताया कि हमारी शाखा इसके साथ–साथ सामाजिक क्षेत्र के विकास के लिए भी बीच–बीच में कार्य करती रहती है जो कि अयोध्या में भी करेगी। इस मौके पर शाखा हेड अभय प्रताप सिंह के अलावा अन्य कई इस शाखा से कर्मी मौजूद रहे।

विविध कार्यक्रमों के माध्यम से भाजपा मनाएगी स्थापित दिवस

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी द्वारा 6 अप्रैल को स्थापना दिवस वृहद स्तर पर मनाने की तैयारी के तहत सहादतगंज स्थित पार्टी कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय महामंत्री विजय प्रताप सिंह व महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की। बैठक में क्षेत्रीय महामंत्री ने बताया कि 5 अप्रैल को कार्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा तथा 6 अप्रैल को पार्टी ध्वज फहराया जाएगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी व कार्यकर्ता अपने–अपने घरों पर भी पार्टी का ध्वज लगाएंगे। साथ ही पार्टी की विचारधारा, विकास यात्रा और उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक ले जाकर व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।महानगर अध्यक्ष ने बताया कि 7 से 12 अप्रैल तक स्वच्छता अभियान, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान और लाभार्थी संपर्क अभियान जैसे कार्यक्रम चलाए जाएंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि कार्यक्रमों का सफल आयोजन कर सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करें। बैठक में अभिषेक मिश्र, डा बांके बिहारी मणि त्रिपाठी, अभियान संयोजक बाल कृष्ण वैश्य, शैलेन्द्र कोरी, स्वामी परमानंद मिश्र, रामप्रीत वर्मा, तिलकराम मौर्या, हरभजन गौड, रवि शर्मा, अरविन्द सिंह, शिवम्त शुक्ला, सर्वज्ञ सिंह, प्रदीप यादव, चारों मंडलों के अध्यक्ष व महामंत्री, पार्टी पार्षद सहित महानगर कमेटी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्षेत्र वासियो की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। क्षेत्र वासियो की सूझबूझ के चलते बड़ा हादसा होने से टल गया।मुख्य हैदरगंज बाजार में चौक से लेकर सब्जी मंडी तक 440 वोल्टेज की विद्युत लाइन तारों में प्रवाहित हो रही है।सुबह ग्यारह बजे के आसपास कपड़ा व्यवसाय सचिन अग्रहरि के दुकान के पास विद्युत स्पार्किंग होने लगी।विद्युत की चपेट में आए लगभग दस हजार के कपड़े और सामान जलकर राख हो गए।बाजार वासियों ने तत्काल विद्युत लाइन कटवाकर आग पर काबू पाया।थाना क्षेत्र हैदरगंज की मुख्य कस्बा हैदरगंज बाजार में चौक से लेकर सब्जी मंडी तक आधे दर्जन खम्भा के विद्युत तारों मे खुली विद्युत लाइन दौड़ रही है। 440 वोल्टेज की विद्युत लाइन के चलते कई बार इस इसपार्किंग हुई थी।व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रिंस कसौधन ग्राम प्रधान राकेश अग्रहरी ने बताया कि शिकायत विद्युत विभाग से की गई थी।परंतु तार हटाकर केबल नहीं लगाया गया था। विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते मंगलवार को लगभग 11रू00 बजे सचिन अग्रहरि कपड़ा व्यवसायी के दुकान के पास से जा रहे विद्युत तार से स्पार्किंग होने के चलते कपड़ा व्यवसायी की दुकान में बाहर लगे फाइबर के बोर्ड और दुकानों पर बाहर शो के लिए टगे कपड़े जलने लगे।इसकी जानकारी आसपास की व्यवसाईयों को होने पर तुरंत सूचना विद्युत विभाग को दिया।व्यवसायियो की सूचना पर तत्काल विद्युत कटवाकर कर आग पर काबू पाया जा सका।और एक बड़े हादसे को टाला जा सका। व्यवसायी सचिन अग्रहरि ने बताया कि कपड़े और सामान मिलकर लगभग 10000 का नुकसान हुआ आग से हुआ है।विद्युत विभाग के अवर अभियंता सतीश भारती ने बताया की जानकारी मिलते ही विद्युत कर्मचारियों को भेज कर स्पार्किंग स्थल को ठीक कराया गया।और हफ्ते भर में लगभग विद्युत लाइनों को केबल लाइन में बदल दिया जाएगा।

जायसवाल समाज का होली मिलन समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच सम्पन्न

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रंगों का पर्व होली आपसी भेद भाव मिटाने के साथ ही सभी के दिलों को जोड़ता है।जिस दिन समाज अपनी ताकत पहचान लेगा उस दिन एक जुटता अपने आप में लोगो को स्वयं दिखाई पड़ने लगेगी।उक्त बातें सोमवार को गोशाईगंज बाजार से सटे मडहा पुल समीप लक्ष्मी मैरेज लॉन में गोशाईगंज जायसवाल समाज द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में प्रयागराज से पधारे कुंवर नरेंद्र बहादुर सिंह ने कही।समाजसेवी श्री प्रकाश जायसवाल की अध्यक्षता एवं रूबी जायसवाल व मृत्युंजय जायसवाल के संयुक्त संचालन मे आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत अंतर्राष्ट्रीय भागवत कथा प्रवक्ता राधेश शास्त्री के बैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मुख्य अतिथि के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप मे अयोध्या धाम से पधारे महेश जयसवाल,मुन्ना जायसवाल,रत्नेश जायसवाल, नीरज जायसवाल,अयोध्या नगर निगम के पार्षद अन्नू

जायसवाल,बृजेन्द्र जायसवाल, जगदीश जायसवाल, गोसाईगंज नगर पंचायत की सभासद आरती जायसवाल, मीनाक्षी,नीलम,डॉ रत्ना जायसवाल,निक्की,सीमा,मोनी ने भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन के चित्र पर माल्यार्पण एवं धूप दीप प्रज्वलित कर किया!समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक एवं म्यूजिकल कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों का मनमोह लिया।कार्यक्रम मे पधारे नीरज जायसवाल ने ऐसे कार्यक्रमों को हर साल आयोजित किए जाने पर बल दिया!कार्यक्रम के सफल आयोजन पर गोसाईगंज नगर पंचायत की सभासद एवं जय बाबा अमरनाथ बर्फानी सेवा समिति (रजि0) की अध्यक्ष आरती जयसवाल ने नगर अध्यक्ष–राम प्रकाश जायसवाल सोनू,उपाध्यक्ष–रवि जायसवाल गुड्डू एवं उनकी टीम को साधुवाद देते हुए मोमेंटो भेट कर उत्साहवर्धन किया!कार्यक्रम में अनूप जायसवाल,सभासद आरती जायसवाल, पत्रकार दिनेश जायसवाल (कटरा), अबिनाश,डॉ मधुर जायसवाल, अजय,रमेश जायसवाल,नवनीत जायसवाल, सभासद प्रतिनिधि दिनेश कुमार जायसवाल ष्पत्रकारष,अशोक जायसवाल बैटरी वाले,बबलू जायसवाल (गोमती अलमीरा), वैश्य विनोद जायसवाल,शिव नारायण जायसवाल सहित अगल–बगल गांवो से आये जायसवाल समाज के सैंकड़ो लोग उपस्थित रहे।

अयोध्या आई महिला श्रद्धालु का खोया सामान वापस कर महिला सिपाही ने किया सराहनीय कार्य

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।लखनऊ से रुचि सिंह नामक महिला श्रदालु हनुमानगढीघ मंदिर के दर्शन करने अपने परिवार के साथ आई थी।दर्शन के दौरान भीड में उनके कान का झुमका मंदिर के अंदर गिर गया जो महिला कांस्टेबल सुष्मिता जनपद कौशांबी से ड्यूटी हनुमानगढ़ी मंदिर में कर रही है। उसको मिला।जब रुचि सिंह को ज्ञात हुआ मेरे कान का झुमका गिर गया है जिसको पूर्व में ही महिला कांस्टेबल द्वारा जो की इंचार्ज हनुमानगढ़ी को बताया कि मेरे हाथ एक कान का झुमका आया है तत्पश्चात उपरोक्त महिला को सुपुर्द किया गया।महिला श्रदालु ने इस ईमानदारी पर महिला आरक्षी का आभार व्यक्त करते हुए पुलिस की कार्यशैली की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।